महत्वपूर्ण एवं खास

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के कैलेंडर का किया विमोचन

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज शाम यहां मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के नववर्ष 2023 के कैलेंडर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने नवीन वर्ष 2023 के कैलेंडर के प्रकाशन पर छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के समस्त अधिकारियों तथा कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा, विधायक द्वय शैलेश पांडेय व लालजीत सिंह राठिया आदि उपस्थित थे।

अब अगशिया बाई को मिलेगा 35 किलो चावल

गरियाबंद (आरएनएस)। जिले के ग्राम उर्तुली निवासी अगशिया बाई को अब 35 किलो चावल मिलेगा। अगशिया बाई ने जनचौपाल में कलेक्टर प्रभात मलिक को आवेदन देते हुए जानकारी दी थी कि उनके घर में अब वे अकेली है। उनके पति, पुत्र एवं बहु का निधन हो चुका है तथा अपनी 11 वर्ष की पोती कु. जानव्ही के साथ ग्राम उर्तुली में निवासरत है। वर्तमान में उन्हें प्राथमिकता राशनकार्ड से मात्र 20 किलो राशन मिलता है, जिससे गुजारा होना मुश्किल है। उनके आवेदन पर कलेक्टर ने संवेदनशीलता पूर्वक विचार करते हुए खाद्य अधिकारी सुधीरचन्द्र गुरु को अगशिया बाई के आवेदन पर तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए। खाद्य अधिकारी द्वारा अगशिया बाई के आवेदन पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए पात्रतानुसार अन्त्योदय राशनकार्ड जारी कर उन्हें प्रदाय किया गया। अब उक्त राशनकार्ड में अगशिया को पात्रतानुसार 35 किलो राशन निर्धारित दर पर प्राप्त होगा, जिससे अगशिया बाई एवं उनकी पोती के महीनेभर का गुजारा आसानी से हो सकेगा। अगशिया बाई अन्त्योदय राशनकार्ड प्राप्त कर बहुत प्रफुल्लित हो उठी एवं प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

रविवि में कुलपति नियुक्ति के लिए गठित समिति को पैनल प्रस्तुत करने के लिए चार सप्ताह की वृद्धि की गई

रायपुर (आरएनएस)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति सुश्री अनुसुईया उइके द्वारा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में कुलपति नियुक्ति हेतु गठित समिति को पैनल प्रस्तुत करने के समय में चार सप्ताह की वृद्धि दी गई है। यह वृद्धि छत्तीसगढ़ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 13(5) में निहित प्रावधान के तहत् की गई है। उल्लेखनीय है कि 13 दिसंबर 2022 को कुलाधिपति सुश्री उइके द्वारा पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति नियुक्ति हेतु समिति का गठन किया गया था। समिति को अधिसूचना प्रसारित होने की तिथि से छह: सप्ताह के अंदर कुलपति नियुक्ति के लिए तीन व्यक्तियों का पैनल कुलाधिपति को प्रस्तुत करना था। अब पैनल प्रस्तुत करने के लिए चार सप्ताह का समय और दिया गया है।

बंगोत्सव 2023 का आयोजन 22 से : कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री होंगे

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य में संस्कृति कला एवं साहित्य को प्रोत्साहित करने एवं प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष राज्य स्तरीय बंगोत्सव का आयोजन किया जाता है। बंगोत्सव 2023 का आयोजन 22 से 24 जनवरी 2023 तक राजधानी रायपुर में आयोजित है। जिसमें सांस्कृतिक आयोजन में राज्य के उत्कृष्ट प्रतिभाओं के साथ कोलकाता कलाकारों की प्रस्तुति होगी। कला व साहित्य आयोजन में आर्ट गैलरी एवं स्पर्धा आयोजित की जाएगी। बंगोत्सव में सांस्कृतिक आयोजन के तहत बंगला, हिन्दी, छत्तीसगढ़ी गायन, नृत्य बंगला लोक, बाउल नृत्य, शास्त्रीय गायन आदि का प्रस्तुतिकरण कलाकरों द्वारा दिया जाएगा। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में छत्तीसगढ़ बेंगाली एसोसिएशन के अध्यक्ष अरूण भद्रा, प्रदेश महासचिव देवाशीष राय, महासचिव कन्हैया विश्वास, संस्था के अध्यक्ष तपन चक्रवर्ती ने संयुक्त रूप से दी।

मछली पालन के प्रति युवाओं का बढ़ा रूझान : युवा सुजीत ने मछली पालन से की लाखों की आमदनी

सुविधाएं और फायदे देख पढ़े-लिखे युवा भी मछली पालन के प्रति हो रहे आकर्षित

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मछली पालन को कृषि का दर्जा देने, 40 से 60 प्रतिशत तक सब्सिडी, राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं और बढ़ते फायदे के चलते पढ़े लिखे युवाओं का भी मछली पालन की ओर रूझान बढ़ा है और वे उसमें भविष्य देखने लगे हैं। बस्तर विकासखण्ड के छोटे से गांव भरनी के युवा सुजीत प्रजापति ने मछलीपालन का व्यवसाय कर लाखों की आमदनी की है। सेवानिवृत्त विद्युत लाईनमेन के 24 वर्षीय पुत्र सुजीत प्रजापति ने पॉलिटेक्निक की पढ़ाई के बाद मछलीपालन में रुचि दिखाई। मछलीपालन की नई तकनीक बॉयोफ्लॉक को देखकर सुजीत इस व्यवसाय के प्रति आकर्षित हुए और तीन वर्ष पूर्व उन्होंने इसे व्यवसाय के रूप में अपनाने का निश्चय किया। इस दौरान उन्होंने बीबीए की पढ़ाई भी जारी रखी। उन्होंने तीन बॉयोफ्लॉक टैंक के साथ व्यवसाय की शुरुआत की। बिलकुल नई तकनीक तथा कोई मार्गदर्शक के नहीं होने के कारण पहले वर्ष उन्हें व्यवसाय में नुकसान हुआ, मगर उन्होंने हार नहीं मानी और व्यवसाय को जारी रखने का निर्णय लिया। दूसरे साल अनुभव बढने के साथ उन्हें लाभ मिलने लगा।

सुजीत के मछलीपालन के प्रति रुचि को देखते हुए मत्स्यपालन विभाग ने भी सहयोग किया। इसके बाद सुजीत ने

सात बॉयोफ्लॉक टैंकों में मछलीपालन प्रारंभ किया। इसकी लागत लगभग साढ़े सात लाख रुपए आई। विभाग द्वारा 40 फीसदी अनुदान दिया गया, जिससे सुजीत को मात्र साढ़े चार लाख रुपए खर्च करना पड़ा। पिछले वर्ष सुजीत ने मात्र 40 हजार रुपए के मछली बीज से लगभग नौ लाख रुपए से अधिक की मछली तैयार की। मछलीपालन के खर्च को जोड़ भी दिया जाए, तब भी उन्होंने लगभग चार लाख रुपए की आय प्राप्त की। अब सुजीत के अनुभवों का लाभ दूसरे किसान भी उठा रहे हैं और उनके मार्गदर्शन में मछली की खेती कर रहे हैं। सुजीत भी अब मछलीपालन के साथ ही उसके चारा उत्पादन का व्यवसाय भी प्रारंभ करने की योजना बना रहे हैं, ताकि क्षेत्र के मछलीपालक किसानों को मछली चारा के लिए दूसरे क्षेत्रों पर निर्भर न रहना पड़े।

सुजीत अपनी इस सफलता के लिए मछलीपालन विभाग के साथ ही अपने माता-पिता और भाई को श्रेय देते हैं। सुजीत ने कहा कि व्यवसाय की शुरुआती असफलता के बावजूद माता-पिता और भाई ने पूरा समर्थन दिया, जिससे उनके भीतर कभी भी निराशा नहीं आई और परिश्रम व अनुभव से इस व्यापार में लाभ प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि वे तिलापिया और पंगेशियस मछली का पालन कर रहे हैं, जिसकी तेजी से वृद्धि होने के कारण यह अत्यंत लाभदायक है।

क्या है बायोफ्लॉक तकनीक-

उल्लेखनीय है कि बायोफ्लॉक तकनीक एक कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाला मछली पालन का उन्नत तरीका है, जिसमें बड़े बड़े टैंक में मछली पालन किया जाता है। इन टैंकों में पानी भरने, गंदा पानी निकालने, पानी में ऑक्सीजन देने की व्यवस्था होती है। इस तकनीक के तहत टैंक में मछलियों द्वारा छोड़े गए अपशिष्ट पदार्थ जैसे अमोनिया, नाइट्रेट और नाइट्राइट को बैक्टीरिया की मदद से प्रोटीन सेल में तब्दील कर दिया जाता है, जो मछलियों के लिए पोषण का काम करता है। इस तकनीक में कार्बन और नाइट्रोजन की मात्रा सदैव संतुलन में रहती है, जिससे मछलियों को वृद्धि करने का पूरा मौका मिलता है। बायोफ्लॉक बैक्टीरिया की तकनीक के इस्तेमाल से ना सिर्फ एक तिहाई फीड की बचत होती है बल्कि पानी और श्रम का खर्चा भी सामान्य मछली पालन के मुकाबले कम आता है। इससे मछलियों की गुणवत्ता बेहतर रहती ही है, साथ ही दाम भी बाजार में अच्छे मिल जाते हैं। इस विधि से थोड़ी निगरानी के साथ कम जगह में भी सफलतापूर्वक मछली पालन किया जा सकता है।

केवायसी अपडेट करने के नाम पर लाखों की ठगी, अंतर्राज्यीय आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (आरएनएस)। केवायसी अपडेट करने के नाम पर देशभर में लाखों रूपये की ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय ठग सुनील कुमार मण्डल को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार अविनाश प्राईड रायपुर में रहने वाली उमा मिश्रा ने थाना कबीर नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसके मोबाईल नंबर में किसी अज्ञात मोबाईल नम्बर 87570-87202 धारका का फोन आया और उसने कहा कि आपके फोन-पे की केवाईसी नहीं हुई है, इसलिए कल आपके अकाउंट से 2200 रूपये कट जाएगा, यदि आपको 2200- रूपये नहीं कटवाना है तो जैसा मैं बताता हूं, आप करिये कुछ ही मिनट में आपका केवाईसी कंपलीट हो जाएगा, जिस पर उमा मिश्रा द्वारा हां कहने पर फोन करने वाले ने अपने सिनियर से आपकी कॉल कनेक्ट कर रहा हूं तथा कॉल काट कर दूसरे मोबाईल नंबर 9060185892 से उमा मिश्रा को कॉल किया, जिस पर उमा मिश्रा द्वारा अज्ञात मोबाईल नम्बर के धारक द्वारा फोन-पे में जाकर उसके बताए अनुसार प्रोसेस किया गया कुछ देर पश्चात् उसके द्वारा केवाईसी वेरिफिकेशन का मैसेज आया या नहीं पूछने पर प्रार्थिया द्वारा नहीं आया बताया गया, तो उसके द्वारा प्रार्थिया को एटीएम कार्ड को फोन-पे स्केनर से स्केन करने बोलने पर जिस पर प्रार्थिया द्वारा अपना एटीएम कार्ड स्केन किया गया, स्कैन करते ही प्रार्थिया के स्टेट बैंक अकाउंट नंबर से लगातार पैसे कटने के मैसेज आने लगे प्रार्थिया द्वारा पूछने पर अज्ञात मोबाईल नम्बर के धारक ने कहा कि किसी टेक्नीकल एरर की वजह से पैसे कटने के मैसेज आ रहे हैं, आपके पैसे वापस आ जाएंगे एवं फोन मत काटिये, इसके बाद प्रार्थिया को कटे हुए पैसे वापस प्राप्त करने हेतु। एप डाउनलोड करने बोला जिस पर प्रार्थिया द्वारा एक एप डाऊनलोड करते ही उसके दूसरे अकाउंट नंबर 10080573891 से भी पैसे कटने शुरू हो गए एवं प्रार्थिया के दोनों खातो से कुल 2 लाख 95 हजार रूपये कट गये। इस प्रकार अज्ञात मोबाईल नम्बर के धारक द्वारा फोन-पे पर केवायसी अपडेट करने के नाम पर लाखों रूपये की ठगी की गई। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना कबीर नगर में धारा 420, 201 भादवि. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना कबीर नगर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थिया से विस्तृत पूछताछ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा जिन मोबाईल नंबरों से प्रार्थिया के मोबाईल फोन पर कॉल आया था, उन मोबाईल नंबरों का तकनीकी विश्लेषण करने के साथ ही जिन खातों में रकम स्थानांतरित किये गये थे, उन खातों के संबंध में भी संबंधित बैंकों से दस्तावेज व जानकारी प्राप्त की जाकर अज्ञात आरोपी को चिन्हांकित करने के प्रयास करते हुये ठगी हेतु आये मोबाईल नंबरों के साथ-साथ उन से संबंधित अन्य कई मोबाईल नंबरों तथा दस्तावेजो का लगातार विश्लेषण करते हुये अंतत: आरोपी को चिन्हांकित करने में सफलता मिली तथा आरोपी को झारखण्ड के गोड्डा में लोकेट किया गया। जिस पर टीम के सदस्यों को झारखण्ड रवाना किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा गोड्डा (झारखण्ड) पहुंचकर लगातार कैम्प करते हुए आरोपी की पड़ताल करने पर यह सुनिश्चित हुआ कि आरोपी द्वारा बहुत ही सर्तकता से अपनी स्वयं की पहचान छिपाते हुये इस तरह की ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया है।

बाइक खरीदकर नहीं दी तो छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोरबा (आरएनएस)। बालको थाना अंतर्गत ग्राम रूमगड़ा में 17 साल के एक नाबालिग छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्र ने ये आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इस बारे में परिवार भी ठीक से कुछ नहीं बता पा रहा है। हालांकि उन्होंने छात्र के पढ़ाई में कमजोर होने की बात कही है। नाबालिग की मां ने ये भी कहा कि बेटा सागर नई बाइक लेने की बात भी लगातार कह रहा था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक ग्राम रूमगड़ा के शिवनगर में सुनीता कंवर अपने बेटे सागर और बेटी के साथ रहती है। पति की मौत के बाद सुनीता बालको संयंत्र में काम करके परिवार का पालन-पोषण कर रही है। बुधवार को रोजाना की तरह वो ड्यूटी के लिए बालको गई हुई थी। घर में बेटा सागर अकेला था। मां सुनीता और बाकी परिजन जानकारी मिलने पर तुरंत मौके पर पहुंचे। दरवाजा बंद मिलने पर उन्होंने खिडक़ी खोलकर कमरे के अंदर देखा, तो सागर फांसी के फंदे से झूलता हुआ मिला। ये देखकर मां बदहवास हो गई। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचकर बालको पुलिस ने दरवाजा तुड़वाया और लाश को फांसी के फंदे से नीचे उतारा। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

जबलपुर रवाना हुईं समूह की महिलाएं

संसदीय सचिव ने बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

महासमुंद (आरएनएस)। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने महिला बाल विकास विभाग के तत्वावधान में आज शुक्रवार को स्व सहायता समूह की महिलाओं का दिशा दर्शन भ्रमण कार्यक्रम के तहत बस को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। भ्रमण के दौरान महिलाएं मध्यप्रदेश के जबलपुर पहुंचकर समूहों की गतिविधियों से रूबरू होंगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दिशा दर्शन भ्रमण कार्यक्रम अंतर्गत दूसरे राज्य के महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित कार्यक्रमों की जानकारी के लिए प्रदेश के महिला समूहों की महिलाओं को भ्रमण के लिए भेजा जाता है। इसी तारतम्य में जिले के स्व सहायता समूह की 150 महिलाओं के दल को भ्रमण के लिए मध्यप्रदेश के जबलपुर भेजा गया।

आज शुक्रवार को संसदीय सचिव व विधायक चंद्राकर ने दिशा-दर्शन भ्रमण के लिए महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं के वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने जबलपुर जाने वाली महिलाओं से चर्चा भी कीं।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से नगरपालिका अध्यक्ष राशि महिलांग, जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री संजय शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष खिलावन बघेल, एल्डरमेन गुरमीत चावला, विजय साव सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ में भगवान राम और रामायण के प्रति श्रद्धा अगाध है - ताम्रध्वज साहू

दुर्ग (आरएनएस)। रामायण मंडली प्रोत्साहन योजना के तहत ग्राम हनोदा में जनपद स्तरीय मानसगान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसके दूसरे दिन 24 प्रतिभागी मंडली ने प्रस्तुति दी। आयोजन के दूसरे दिन प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू शामिल हुये । इस अवसर पर श्री साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भगवान राम और रामायण के प्रति श्रद्धा अगाध है। उसी प्रकार मानस गायन की भी पुरातन और विशिष्ट परंपरा है। हमारे यहां जैसी रामायण गायन का आयोजन पूरे देश में कहीं नहीं होता है। राज्य सरकार द्वारा इसकी प्रतियोगिता कराने एवं नकद पुरस्कार देने की

व्यवस्था की गई है जिससे इस परंपरा को प्रोत्साहन मिल रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की गौरवशाली संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और छत्तीसगढिय़ा संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए गंभीर प्रयास प्रारंभ किए गए हैं। हमारी संस्कृति के हरेली, तीजा, पोरा त्यौहारों के शासकीय स्तर पर आयोजन की शुरूआत, रामवन गमन पर्यटन परिपथ के विकास की परियोजना,माता कौशल्या मंदिर सहित छत्तीसगढ़ के पारम्परिक खेलों को बढ़ावा, हरेली, हरितालिका तीज, छेरछेरा पुन्नी-शाकाम्भरी जयंती, कर्मा जयंती, विश्व आदिवासी दिवस और छठपूजा पर सार्वजनिक छुट्टी दी है। रामायण हमें जीवन जीने का सही मार्ग समझाती है

शलानी यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा श्री रामचंद्र जी व माता कौशल्या का छत्तीसगढ़ से संबंध व उनके आदर्शों को जनमानस तक पहुंचाकर जागरूकता लाने के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में रामायण मंडली प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है।

मिलेट कैफे में कोदो, कुटकी और रागी से निर्मित इडली, दोसा, उपमा, खीर आदि व्यंजनों का मिलेगा स्वाद : कृषि मंत्री ने किया मिलेट कैफे का लोकार्पण

रायपुर (आरएनएस)। कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित ''मिलेट कैफे'' का लोकार्पण किया। राष्ट्रीय राजमार्ग 53 पर स्थित विश्वविद्यालय के व्यवसायीक परिसर में प्रारंभ इस मिलेट कैफे में कोदो, कुटकी, रागी तथा अन्य लघु धान्य फसलों से निर्मित विविध व्यंजन - इडली, दोसा, पोहा, उपमा, भजिया, खीर, हलवा, माल्ट, कुकीज़ के साथ ही इनसे निर्मित छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन ठेठरी, खुरमी, अरसा, चाकोली, सेवई, पिढिय़ा

आदि आम जनता के लिए उपलब्ध रहेंगे। स्वादप्रेमी लोग यहां इन लजीज़ व्यंजनों का लुत्फ उठा सकेंगे। इसके अलावा लघु धान्य फसलों से निर्मित अन्य उत्पाद भी विक्रय के लिए उपलब्ध रहेंगे। यह मिलेट कैफे आम जनता में लघु धान्य फसलों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा उनके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रारंभ किया गया है। यह देश में किसी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किया जाने वाला प्रथम मिलेट कैफे होगा। इस मिलेट कैफे का संचालन कृषि विज्ञान केन्द्र रायपुर द्वारा किया जाएगा और यहां विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित लघु धान्य व्यंजनों का विक्रय किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि लघु धान्य फसलों की पोषकता तथा स्वास्थ्यप्रद मूल्यों को दृष्टिगत रखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इसके उपयोग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2023 को मिलेट वर्ष घोषित किया गया है।

26वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में गोबर दीया और मटपरई शिल्प की हुई सराहना

दुर्ग (आरएनएस)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा हुबली-धारवाड़ कर्नाटक में 26वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन 12 से 16 जनवरी तक किया गया था। विकसित युवा विकसित भारत थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर से 8 हजार से ज्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया।नेहरू युवा केन्द्र दुर्ग से संबद्ध शौर्य युवा संगठन आदर्श ग्राम कोडिय़ा एवं जोहार युवा मंडल डूमरडीह द्वारा युवा कृति स्टॉल लगाया गया है।युवा कृति स्टॉल में शौर्य युवा संगठन आदर्श ग्राम कोडिय़ा दुर्ग छत्तीसगढ़ द्वारा गोबर

के दीये, गौमय शुभलाभ स्टिकर, गौमय चरण पादुका, गौमय धूप, गौमय धूप स्टैंड, धान की बालियों से बना झूमर, धान का तिरंगा बैच, गोदना शिल्प उत्पाद आदि उत्पाद रखा गया था। साथ ही जोहार युवा मंडल डूमरडीह द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश की सुप्रसिद्ध मठपरई भित्ति शिल्पकला उत्पाद का स्टॉल लगाया गया है।शौर्य संगठन के उत्पादों एवं वेशभूषा ने विभिन्न राज्यों के युवाओं और स्थानीय नागरिकों को बहुत आकर्षित किया, पूरे कर्नाटक में इन्हीं उत्पादों की विशेष चर्चा थी। स्टॉल एवं उत्पादों का दूरदर्शन समाचार के साथ स्थानीय समाचार चैनल व समाचार पत्रों ने प्रमुखता से स्थान दिया।युवा महोत्सव में प्रतिभागियों सहित कर्नाटक के 6 लाख लोगों ने एक साथ योग अभ्यास कर गिनीज़ बुक ऑफ वल्ड रिकॉर्ड भी बनाया गया जिसमें दुर्ग के युवा भी सहभागी बने।

नेहरू युवा केन्द्र दुर्ग के जिला युवा अधिकारी नितिन शर्मा जी ने बताया कि पूरे देश से सिर्फ 3 राज्य के युवा मंडल का युवा कृति स्टॉल के लिए चयन हुआ था जिसमें छग का मॉडल युवा मंडल दुर्ग जिले के आदर्श ग्राम कोडिय़ा के शौर्य युवा संगठन का चयन हुआ था।

शौर्य युवा संगठन के सचिव व मीडिया प्रभारी आदित्य भारद्वाज ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव का अनुभव बताते हुए कहा यह महोत्सव पूरे देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा व संस्कृति को प्रसारित करने का सबसे अच्छा प्लेटफॉर्म है जहां एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए युवाओं की शक्ति को एक सूत्र में बांधने का सफल प्रयास किया गया था।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी साकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य क्षेत्र में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, बच्चों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU